

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Savera Times	24.10.2024	--	--

## NSS plays an important role in personality development : Prof. B.R. Kamboj

**Thesavurathas**  
Network

**Hint :** The seven-day National Integration Camp was inaugurated in the Agriculture College Auditorium of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University. The Vice Chancellor of the University, Prof. B.R. Kamboj was present as the chief guest in the program. Directorate of Student Welfare, State NSS Unit and Higher Education The theme of the seven-day camp organised by the Department Haryana has been kept as 'Youth for My India and Youth for Digital Literacy'.

Vice Chancellor Prof. B.R.



Vice Chancellor Prof. B.R. Kamboj and other officials present on the stage

Kamboj said that NSS has an important role in personality development of youth. India is a country of youth. The country will become a developed nation only when the youth of India becomes aware. NSS teaches youth the importance of social

service, leadership Development of capacity emphasizes on helping the weaker sections of society and preparation for physical and mental development. We can fulfil our responsibility towards society and nation by developing the all-round



Officers and others present in the program

development of students and the spirit of community service. He said that The National Unity Camp will help the volunteers to understand their responsibilities towards the society and the spirit of Vasudhaiva Kutumbakam in a comprehensive manner.

The National Unity Camp will play an important role in understanding the principle of unity in diversity in a large democratic country like India. Through this, the students will also develop a sense of selfless service, maintaining brotherhood in the society and respecting



Vice Chancellor Prof. B.R. Kamboj addressing the camp

each other's culture. He said that the volunteers will be made aware of India's rich cultural diversity, the glorious history of culture and the society. To create awareness towards integrating the nation through service. He also explained to the volunteers

the difference between citizenship and nationality. Dean of Agriculture College Dr. SK Pahuja said that National Unity Camp is the only platform from which volunteers get positive energy. He explained in detail about the 6 rules of being successful in life.



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	24.10.24	09	6-8

### व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की अहम भूमिका: काम्बोज राष्ट्रीय एकता शिविर में 17 राज्यों के स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

हिसार, 23 अक्टूबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। छात्र कल्याण निदेशालय, राज्य एनएसएस इकाई तथा उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर का थीम 'यूथ फॉर माई भारत और यूथ फॉर डिजिटल लिटरेसी रखा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की अहम भूमिका है। भारत एक युवाओं का देश है। देश विकसित राष्ट्र तभी बनेगा जब भारत का युवा जागरूक होगा। एनएसएस युवाओं को समाज सेवा के महत्व, नेतृत्व क्षमता का विकास, समाज के कमजोर वर्ग की मदद तथा शारीरिक व मानसिक विकास की



हिसार में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी व अन्य। -हप्र

तैयारी पर जोर देता है। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करके हम समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपने दायित्वों एवं वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को व्यापकता से समझने में मदद मिलेगी।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि शिविर में अलग-अलग राज्यों की संस्कृति को समझने का भी अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्रा

प्रीति, पल्लवी, यामिनी व विजेता ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेवारी एवं निस्वार्थ सेवा के बारे में प्रेरित किया जाएगा। शिविर में लघु भारत को दर्शाते हुए 17 राज्यों से 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं जिनमें कर्नाटक, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, नार्थ-ईस्ट स्टेट, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व हरियाणा राज्य शामिल है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक प्रज्ञा	24-10-24	03	5-6

### एचएयू में 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर शुरू शिविर में भाग लेने के लिए 17 राज्यों से 200 स्वयंसेवक पहुंचे



भास्कर न्यून | हिसार

कृषि कॉलेज सभागार में बुधवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में 17 राज्यों से 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं, जिनमें कर्नाटक, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व हरियाणा राज्य शामिल हैं। छात्र कल्याण निदेशालय, राज्य एनएसएस इकाई तथा उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा की तरफ से आयोजित शिविर का थीम 'यूथ फॉर माई भारत और यूथ फॉर डिजिटल लिटरेसी' रखा गया है। शिविर के शुभारंभ के अवसर पर एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस मौके पर कुलपति ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की अहम भूमिका है। भारत एक युवाओं का देश है। देश विकसित राष्ट्र तभी बनेगा जब भारत का युवा जागरूक होगा।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि एनएसएस युवाओं को समाजसेवा के महत्व, नेतृत्व क्षमता का विकास, समाज के कमजोर वर्ग की मदद तथा शारीरिक व मानसिक विकास की तैयारी पर जोर देता है। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं सामुदायिक सेवा की भावना विकसित कर हम समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकते हैं। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपने दायित्वों एवं वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को व्यापकता से समझने में मदद मिलेगी। भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में राष्ट्रीय एकता शिविर का अहम योगदान होगा।

कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर ही एक ऐसा मंच है जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। उन्होंने जीवन में सफल होने के 6 नियमों के बारे में बताया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
५० दैनिक जागरण	24-10-24	03	2-5

# युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की अहम भूमिका : कुलपति

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। छात्र कल्याण निदेशालय, राज्य एनएसएस इकाई तथा उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर का थीम 'यूथ फार माई भारत और यूथ फार डिजिटल लिटरेसी' रखा गया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की अहम भूमिका है। भारत एक युवाओं का देश है। देश विकसित राष्ट्र तभी



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज शिविर को संबोधित करते हुए। • पीआरओ

बनेगा जब भारत का युवा जागरूक होगा। एनएसएस युवाओं को समाज सेवा के महत्व, नेतृत्व क्षमता का विकास, समाज के कमजोर वर्ग की मदद तथा शारिरिक व मानसिक

विकास की तैयारी पर जोर देता है। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करके हम समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी

का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों को समाज के प्रति अपने दायित्वों एवं वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को व्यापकता से समझने में मदद मिलेगी। भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में राष्ट्रीय एकता शिविर का अहम योगदान होगा। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने की भावना भी पैदा होगी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एसके पाहुजा ने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर ही एक ऐसा मंच है जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। उन्होंने जीवन में

सफल होने के 6 नियमों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में छात्रा प्रीति, पल्लवी, यामिनी व विजेता ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाया।

छात्र कल्याण निदेशक डा. मदन खीचड़ ने कहा कि स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी एवं निस्वार्थ सेवा के बारे में प्रेरित किया जाएगा। शिविर में लघु भारत को दर्शाते हुए 17 राज्यों से 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। इसमें कर्नाटक, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, नार्थ-ईस्ट स्टेट, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व हरियाणा राज्य शामिल हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब क्रेश्शी	24-10-24	02	3-5

### युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एन.एस.एस. की अहम भूमिका: प्रो. काम्बोज

राष्ट्रीय एकता शिविर में लघु भारत को दर्शाते हुए 17 राज्यों के स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

हिसार, 23 अक्टूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

छात्र कल्याण निदेशालय, राज्य एन.एस.एस. इकाई तथा उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर का थीम 'यूथ फॉर माई भारत और यूथ फॉर डिजिटल लिटरेसी' रखा गया है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एन.एस.एस. की अहम भूमिका है। भारत एक युवाओं का देश है। देश विकसित राष्ट्र सभी बनेगा जब भारत का युवा जागरूक होगा। एन.एस.एस. युवाओं को समाज सेवा के महत्व, नेतृत्व क्षमता का विकास, समाज के कमजोर वर्ग की मदद तथा शारिरिक व मानसिक विकास की तैयारी पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज शिविर को संबोधित करते हुए

बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में राष्ट्रीय एकता शिविर का अहम योगदान होगा। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवकों को भारत कि समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, संस्कृति का गौरवमयी इतिहास तथा समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र को एकीकृत करने के प्रति जागरूक करना है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर ही एक ऐसा मंच है जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। उ

न्होंने जीवन में सफल होने के 6 नियमों के बारे में विस्तार से बताया। शिविर में अलग-अलग राज्यों की संस्कृति को समझने का भी अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्रा प्रीति, पल्लवी,

यामिनी व विजेता ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाया।

### स्वयंसेवकों को मिलेगा सांस्कृतिक गतिविधियां जानने का अवसर

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेवारी एवं निस्वार्थ सेवा के बारे में प्रेरित किया जाएगा। शिविर में लघु भारत को दर्शाते हुए 17 राज्यों से 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं, जिनमें कर्नाटक, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, नार्थ-ईस्ट स्टेट, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व हरियाणा राज्य शामिल है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को विभिन्न राज्यों की संस्कृति, वेशभूषा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को जानने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय सेवा योजना अवाडी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्रा अनु ने किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कंटू	24.10.24	05	6-8

### युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की अहम भूमिका: प्रो. बी.आर. काम्बोज



मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य अधिकारी तथा कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज शिविर को संबोधित करते हुए।

#### ● हकृवि में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। छात्र कल्याण निदेशालय, राज्य एनएसएस इकाई

तथा उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर का थीम 'यूथ फॉर माई भारत और यूथ फॉर डिजिटल लिटरेसी' रखा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की अहम भूमिका है। भारत एक युवाओं का देश है। देश विकसित राष्ट्र तभी बनेगा जब भारत का युवा जागरूक होगा।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि राष्ट्रीय एकता शिविर ही एक ऐसा मंच है जिससे

स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम में छात्रा प्रीति, पल्लवी, यामिनी व विजेता ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेवारी एवं निस्वार्थ सेवा के बारे में प्रेरित किया जाएगा। शिविर में लघु भारत को दर्शाते हुए 17 राज्यों से 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अग्र 3 जाला	24-10-24	02	1-2

### एनएसएस की युवाओं के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि महाविद्यालय सभागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने किया।

छात्र कल्याण निदेशालय, राज्य एनएसएस इकाई और उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर का थीम 'यूथ फॉर माई भारत और यूथ फॉर डिजिटल लिटरेसी' रखी गई है। प्रो. कांबोज ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की अहम भूमिका है। एनएसएस युवाओं को समाजसेवा के महत्व, नेतृत्व क्षमता का विकास, समाज के कमजोर वर्ग की मदद व शारीरिक व मानसिक विकास की तैयारी पर जोर देता है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करके हम समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकते हैं। एकता के सूत्र को समझने में राष्ट्रीय एकता शिविर का अहम योगदान होगा। शिविर के माध्यम से



मंच पर मौजूद कुलपति प्रो. कांबोज। संवाद

विद्यार्थियों में निस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने की भावना भी पैदा होगी।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि जीवन में सफल होने के 6 नियमों के बारे में विस्तार से बताया। युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्रा प्रीति, पल्लवी, यामिनी व विजेता ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि शिविर में 17 राज्यों से 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. भगत सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्रा अनु ने किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

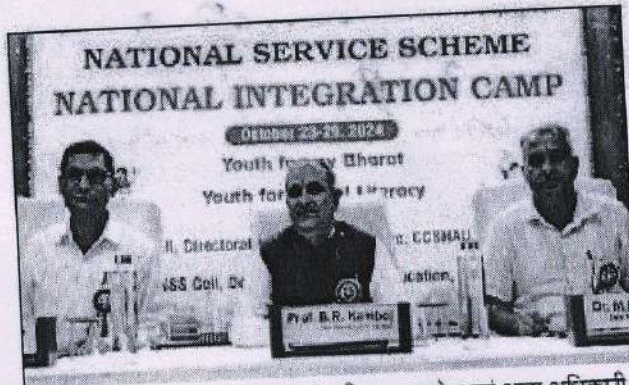
समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	24.10.2024	---	--

# युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एनएसएस अहम

- राष्ट्रीय एकता शिविर में लघु भारत को दर्शाते हुए 17 राज्यों के स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग
- हकूति में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज >>> हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। छात्र कल्याण निदेशालय, राज्य एनएसएस इकाई तथा उच्च शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा आयोजित सात दिवसीय शिविर का थीम 'यूथ फॉर माई भारत और यूथ फॉर



हिसार। मंच पर उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं अन्य अधिकारी।

डिजिटल लिटरेसी' रखा गया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास में एनएसएस की अहम भूमिका है। भारत एक युवाओं का देश है। देश विकसित राष्ट्र तभी बनेगा जब भारत का युवा जागरूक होगा। एनएसएस युवाओं को समाज सेवा के महत्व, नेतृत्व क्षमता का विकास, समाज के कमजोर वर्ग

की मदद तथा शारिरिक व मानसिक विकास की तैयारी पर जोर देता है। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास एवं सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करके हम समाज व राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन कर सकते हैं। उन्होंने स्वयं सेवकों को नागरिकता व राष्ट्रीयता में अंतर को भी समझाया।

### संस्कृति जानने का मौका

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि शिविर में अलग-अलग राज्यों की संस्कृति को समझने का भी अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में छात्रा प्रीति, फल्लूची, यमिनी व विजेता ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत गाया।

### लघु भारत के दर्शन

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि शिविर में लघु भारत को दर्शाते हुए 17 राज्यों से 200 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं जिनमें कर्नाटक, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, नार्थ-ईस्ट स्टेट, गुजरात, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व हरियाणा राज्य शामिल है। राष्ट्रीय सेवा योजना अवाड़ी एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. मगत सिंह ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन छात्रा अनु ने किया।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	24-10-24	4	6-8

# दैनिक भास्कर

## आलू की उन्नत किस्मों कुफरी बादशाह, बहार, नीलकंठ और पुष्कर की बिजाई करें किसान

सीड तकनीक से बीज तैयार करें, एक एकड़ में लगता है करीब 12 क्विंटल

भास्कर न्यूज | हिसार

आलू की उन्नत किस्मों कुफरी बादशाह, कुफरी बहार, कुफरी नीलकंठ व कुफरी पुष्कर का प्रयोग करें। एक एकड़ खेत में करीब 12 क्विंटल बीज लगता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने बताया कि किसान 'सीड तकनीक' से बीज तैयार करें। बिजाई के समय 16-20 टन गोबर खाद, 24 किग्रा. नाइट्रोजन, 54 किग्रा. यूरिया, 20 किग्रा. फास्फोरस 120 किग्रा. सिंगल सुपरफास्फेट व 20-40 किग्रा. पोटैश 36-64 किग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटैश प्रति एकड़ की दर से दें। आलू के बीजों को 10-15 सेंटीमीटर की

### बिजाई के बाद खरपतवार से रक्षा के लिए करें छिड़काव

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि आलू फसल की खरपतवार से रक्षा करने के लिए स्टोम्प 30 ईसी. 1.5 लीटर प्रति एकड़ की दर से बिजाई के 2-3 दिन बाद छिड़काव करें। हरा तेला, सफेद मक्खी की रोकथाम हेतु 300 मि.ली. डाईमैथोएट 30 ईसी. को 200-300 लीटर पानी में मिलाकर 10 दिन के अंतर पर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

### मटर की बोनविले, पी-89 किस्म की करें बिजाई

सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसके. तेहलान ने बताया कि मटर की बोनविले और पी-89 किस्म की बिजाई अक्टूबर माह में कर सकते हैं। एक एकड़ के लिए लगभग 20-30 किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है। कतारों की दूरी 30-40 सेंटीमीटर रखें।

गहराई पर बीजों। बीजों का अंकुरित होना जरूरी है। पूरे आलू ही बीजों। आलू बीजने से पहले बीज को 5-10

मिनट तक 0.25% इण्डोफिल एम-45 के घोल में रखकर उपचारित करें। बिजाई के बाद खेत में सिंचाई करें।